महाराष्ट्र में नये पर्यटक केन्द्र

***190. श्री दत्ता मेघे: क्या पर्यटन और संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) क्या सरकार के पास महाराष्ट्र में पर्यटक केन्द्रों के विकास संबंधी कोई प्रस्ताव विचाराधीन हैं;

(ख) यदि हां, तो विकसित किए जाने वाले नये पर्यटक केन्द्रों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या ऐसी योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए कोई निर्णय लिया गया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री (श्री जगमोहन): (क) से (घ) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

(क) से (घ) तक वर्ष 2002-2003 के दौरान विकास के लिए छ: एकीकृत परिपथों को अभिनिर्धारित किया गया है। पश्चिमी परिपथ (कोंकण रिवेरा परिपथ) में शामिल हैं: मुम्बई-अलीबाग (मांडवा)-मुरूडजंजीरा-गणपतिपुले-विजयदुर्ग-मिठिबाद-कंकेश्वर-मोचेटमाद-सिंधुदुर्ग-तरकर्ली-शिरोडा-सावंतवाड़ी-अंबोली-गोवा-कोस्टल कर्नाटक-बेकल

वित्तीय वर्ष 2002-2003 के दौरान पर्यटन विभाग भारत सरकार द्वारा महाराष्ट्र में विकास हेतु निम्नलिखित परियोजनाएं स्वीकृत की गईं:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (लाख रु० में)
1.	पश्चिमी परिपथ (जयगढ़, विजयदुर्ग एवं सिंधुदुर्ग का विकास	502.51
2.	उनाप्दिओ, जिला जलगांव में गर्म पानी के झरने	25.00
3.	अजंता के पास टी जंक्शन पर अतिथि गृह एवं डाइनिंग हाल का निर्माण	56.69
4.	महाराष्ट्र में उत्सव	10.00
5.	इसके अलावा 35.88 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय की एव पर्यटक ट्रेन है, जिसमें पर्यटन विभाग, भारत सरकार की 8.49 करोड़ रुपए की हिस्सेदारी है, की मंजूरी भी प्रदान की गई है जिसके लिए चालू वित्तीय वर्ष के दौरान 4.00 करोड़ रुपए की राशि रिलीज की गई थी।	

संस्कृति विभाग ने 255.30 लाख रुपए के परिव्यय की निम्नलिखित परियोजनाओं को भी मंजूरी प्रदान की है:-

क्र.सं.	परियोजना	स्वीकृत एवं रिलीज किया गया अनुदान	प्रयोजन
1.	जैन मंदिर, बाजार गांव, महाराष्ट्र	14.99 लाख रुपए	जैन स्मारक के अंदर एवं आस-पास विकास कार्य हेतु
2.	जैन मंदिर, कोल्हापुर, महाराष्ट्र	24.13 लाख रुपए	जैन स्मारक के अंदर एवं आस-पास विकास कार्य हेतु
3.	जैन मंदिर, ठेर, महाराष्ट्र	25.00 लाख रुपए	जैन स्मारक के अंदर एवं आस-पास विकास कार्य हेतु
4.	जैन मंदिर, कुण्ठलगिरि, महाराष्ट्र	15.00 लाख रुपए	जैन स्मारक के अंदर एवं आस-पास विकास कार्य हेतु
5.	जैन मंदिर, जमोड	19.98 लाख रुपए	जैन स्मारक के अंदर एवं आस-पास विकास कार्य हेतु
6.	जैन मंदिर, वाशिम	4.32 लाख रुपए	जैन स्मारक के अंदर एवं आस-पास विकास कार्य हेतु
7.	जैन मंदिर, औरंगाबाद	25.00 लाख रुपए	जैन स्मारक के अंदर एवं आस-पास विकास कार्य हेतु
8.	एलौरा जैन गुफाएं औरंगाबाद	76.88 लाख रुपए	एलोरा जैन गुफाओं में विकास कार्य
9.	दौलताबाद संग्रहालय एएसआई	50.00 लाख रुपए	जैन स्मारक के अंदर एवं आस-पास विकास कार्य हेतु

New tourist centres in Maharashtra

@†*190. SHRI DATTA MEGHE: Will the Minister of TOURISM AND CULTURE be pleased to state:

@Question No. 184 and 190 were taken together.
†Original notice of the question was received in Hindi.

(a) whether Government have any proposal for development of tourist centres in Maharashtra;

(b) if so, the details of the new tourist centres proposed to be developed;

(c) whether any decision has been taken to promote such schemes; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF TOURISM AND CULTURE (SHRI JAGMOHAN): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) to (d) Six integrated circuits have been identified for development during 2002-2003. The Western Circuit (Konkan Riviera circuit) comprises of Bombay-Alibagh (Mandva) Muradkjanjira-Ganapatipule-Vijaydurg-Mithibad-Kunkeshwar-Mochetmad-Sindhudurg-Tarkarli-Shiroda-Savantwadi-Amboli-Goa-Coastal Karnataka-Bekal.

During the financial Year 2002-2003, the following projects have been sanctioned for development in Maharashtra by Department of Tourism, Government of India:

Sr. No,	Name of the project	Amount sanctioned (Rupees in Lakhs)
1.	Western Circuit (Development of Jaigad, Vijaydurg and Sindhudurg	502.51
2.	Hot Water Springs at Unapdeo, District Jalgaon	25.00
3.	Construction of Guest House and Dining Hall at T-Junction near Ajanta	56.69
4.	Festivals in Maharashtra	10.00
5.	In addition, a tourist train with a total outlay of Rs. 35.88 crores and Department of Tourism, Govt. of India share of Rs. 8.49 crores has also been sanctioned for which a sum of Rs. 4.00 crores was released during the current financial year.	

Department of Culture has also sanctioned the following projects for an outlay of Rs. 255.30 lakhs:

S. No.	Project	Grant Sanctioned & Released	Purpose
1.	Jain Temple, Bajargaon, Maharashtra	Rs. 14.99 lakhs	For developmental work in and around Jain monument
2.	Jain Temple, Kolhapur, Maharashtra	Rs. 24.13 lakhs	For developmental work in and around Jain monument
3	Jain Temple, Thair, Maharashtra	Rs. 25.00 lakhs	For developmental work in and around Jain monument
4.	Jain Temple, Kunthal-giri, Maharashtra	Rs. 15.00 lakhs	For developmental work in and around Jain monument
5.	Jain Temple, Jamod,	Rs. 19.98 lakhs	For developmental work in and around Jain monument
6.	Jain Temple, Washim,	Rs. 4.32 lakhs	For developmental work in and around Jain monument
7.	Jain Temple, Aurangabad	Rs. 25.00 lakhs	For developmental work in and around Jain monument
8.	Ellora Jain caves, Aurangabad	Rs. 76.88 lakhs	Development work at Ellora Jain caves
9.	Daulatabad Museum, ASI	Rs. 50.00 lakhs	For development work in and around Jain monument

PROF. M. SANKARALINGAM: Madam, from the reply I understand that steps are being taken to open the underground passage which links the Red Fort to the Delhi Chalo Park, which commemorates a part of the INA history. It is a very welcome thing.

But in reply to part (c) of my question, it has been stated that, as per the information available with the Archaeological Survey of India, there is no such 'tunnel' in any of the protected mounument'. Madam, this is not correct. In my constituency, Kanyakumari, there is a fort called 'The Round Fort' which in Tamil is called *'watta kottai'*; it is under the control of the Archaeological Survey of India. The fort is connected to the place in Padmanabha puram, which is 20 kms. to the north-west of the Fort Padmanabha puram was once the 'Chera kings' capital. This palace and the fort are linked by an underground tunnel, around 30 or 40 ft. below the main road. It is closed, and not in use now. When you go to the fort, you can see an opening there.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, this does not relate to the main question. The question is limited to the Red Fort and the tunnel there.

PROF. M. SANKARALINGAM: No, Madam, Part (c) of the question was whether Government have identified such tunnels used by the ancient monarchs in other States.

THE DEPUTY CHAIRMAN: All right. Let the Minister reply then.

SHRI JAGMOHAN: Madam, there are many monuments which are reported to have some underground passages. We have mentioned it in the reply also that if any precise suggestion with regard to any significant tunnel is received, we will certainly explore it, if it is worth exploring and going down, consistent with the expenditure. We will definitely do that and we will explore that.

I also want to say that, as I mentioned in the reply, we are developing certain hubs of culture, tourism and clean civic life, and the Red Fort of Delhi is one such hub. Now, since Kanyakumari is also a part of our hub project, we will certainly taken it up, although we cannot take up all the passages which are reported to be there in the ancient monuments. But we will certainly taken up those which are within these hubs.

PROF. M. SANKARALINGAM: I thank the hon. Minster. I will give him the detailed information about it.

श्री सतीश प्रधान: मैडम, महाराष्ट्र में किलों की संख्या बहुत बड़ी मात्रा में है जैसे, रायगढ़ प्रताप गढ़, सिंदूरी, मुरूगंज, अलीबाग। बहुत सारे किलों की संख्या वहां है और हर किले से बाहर निकलने के लिए बहुत बड़ी मात्रा में सुरंगों की संख्या भी है। टूरिज्म की दृष्टि से इन सभी सुरंगों को ठीक ढंग से दुरूस्त किया जाए, वहां अंदर लाइटिंग की प्रोपर व्यवस्था की जाए तो वहां टूरिज्म एट्रेक्ट करने के लिए अच्छे ढंग से व्यवस्था हो सकती है। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या इस ढंग की आप कोई व्यवस्था करने के बारे में विचार करेंगे? मेरे सवाल का "बी" पार्ट यह है।

उपसभापति: नहीं, आप पहले एक का जवाब सुन लीजिए। उसके बाद दूसरा प्रश्न कर लेना।

श्री सतीश प्रधान: मैडम मेरा यह छोटा सा प्रश्न है। सिंधु के किले के बारे में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य मंत्री नारायण राव राणे जी ने ऐसा प्रस्ताव दिया था...(व्यवधान).... क्योंकि समुद्र की लहरों से उसकी जो दीवार है वह बहुत बुरे ढंग से डैमेज हुई है। उसको दुरूस्त करने की आवश्यकता है और वहां पर टूरिज्म को बढ़ाने लायक परिस्थिति है। चारों ओर से समुद्र का पानी है। क्या आप उस विषय पर टूरिज्म के ढंग से देखकर दुरूस्त करने का, ब्युटिफिकेशन करने का कदम उठायेंगे?

श्री दत्ता मेघे: मैडम, मेरा भी 190 क्वेश्चन इससे संबंधित है

उपसभापति: श्री दत्ता मेघे जी का 190 क्वेश्चन भी इसी के साथ है।

SHRI JAGMOHAN: Madam, do you want me to reply to this? ...(*Interruptions*)... I will explain it. आपने कहा कि क्या विचार करेंगे। हम इसके ऊपर विचार कर चुके हैं और दो करोड़ 27 लाख के करीब हमने सिंधु दुर्ग के लिए पैसा सैंक्शन कर दिया है और कोस्टल और मरीन इसके अलावा जितने भी हैं इन सबको हम अपने उस हब कल्चर टूरिज्म के हब में ले रहे हैं। Work has already started. This fort was almost on the brink of coming down. So, we have definitely improved it. We have sanctioned the money, and we are going to light it up also. It will become a big tourist attraction, and it will also regenerate India's culture and its healthy traditions.

श्री दत्ता मेघे: मैडम, मेरा भी क्वेश्चन है। मैं सरकार का अभिनंदन इसलिए करता हूं कि मेरे प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया है कि कोंकण के लिए उन्होंने क्या-क्या योजनाएं दी हैं। मेरा एक क्वेश्चन है कि जैसे आपने महाराष्ट्र में कोंकण के लिए मदद की है, वह अच्छी बात है। लेकिन विदर्भ के लिए कुछ नहीं है। एक लूनार की योजना आपके पास है, उसके बारे में आप क्या सोच रहे हैं? उसके बारे में आपको पूरा प्रपोजल दिया हुआ है।

श्री जगमोहन: उपसभापति महोदया, अजंता के बारे में जैसा मैंने अभी बताया हब

कल्चर का टूरिज्म का और क्लीन सिविक लाइफ का है। अजंता का हब हमने आलरेडी डेवलेप कर दिया है और 127 करोड़ रूपया इस पर खर्च किया है। लोनार प्रोजेंक्ट उस प्रोजेक्ट का हिस्सा है। एक्चुअली जब हम इसको डेवलेप करते हैं, Ajanta is only a nucleus. उसके अराउंड जितना भी एरिया है। जैसे-दौलताबाद है, लोनार केटर गेट है बीबी का मकबरा है, वह सब हमारे स्कीम में आते हैं प्रोजेक्ट में आते हैं। अभी इसके लिए 299 करोड़ हमने और सैंक्शन किया है। इसमें रोड और जितने एयरपोर्ट हैं, ये सब चीजें इसमें आयेंगी और उसकी जो एक्सपेंशन होगी, उससे टूरिज्म बढ़ेगा। जितने भी कल्चरल स्पॉट्स हैं, अभी दो दिन पहले अजंता को अवार्ड भी मिला है, उन्होंने कहा कि this is the best heritage site developed recently, in the last two months.

श्री दत्ता मेघे: मैडम, मैं खासतौर पर विदर्भ का जिक्र कर रहा था।

उपसभापति: मंत्री जी अभी जवाब दे रहे हैं।

श्री दत्ता मेघे: मैं विदर्भ की बात कर रहा हूं। वह तो है। विदर्भ में एक भी प्रपोजल नहीं है। हमने प्रपोजल आपके पास भेज दिया है।

श्री जगमोहन: आप बताइये कि इसमें कौन सा प्रोजेक्ट आता है, वह भी आयेगा। आप बताइये। मैं उसको कर दूंगा।

प्रो॰ अलका क्षत्रिय: उपसभापति महोदया, माननीय मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया है कि पुरातत्व सर्वेक्षण के पास ऐसा कोई दूसरी जगह पर सुरंग हो, ऐसी कोई माहिती उनके पास उपलब्ध नहीं है। महोदया, सबसे बड़ी बात तो यह है कि आर्केलाजी डिपार्टमेंट के ऊपर यह सबसे बड़ा प्रश्न-चिह्न लग जाता है। देश में कई जगहों पर ऐसी सुरंगें हैं। जैसे महाराष्ट्र में हैं, वैसे ही गुजरात के अंदर भी जो बार्डर आता है, सूर्य मंदिर है वहां पर भी है, पाटन में भी है। क्या डिपार्टमेंट की बिना कार्यक्षमता के आगे मंत्री जी कुछ करना चाहते हैं? जो अधिकारी इसके लिए जिम्मेदार हैं, जिन्होंने अपनी माहिती इनके पास नहीं भेजी है, उनके अगेंस्ट में कोई कार्यवाही करना चाहते हैं और डिपार्टमेंट की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए मंत्री जी क्या करना चाहते हैं?

श्री जगमोहन: उपसभापति महोदया, इसमें कोई क्षमता बढ़ाने की जरूरत नहीं है क्योंकि मोढेरा जो है आलरेडी प्रोटेक्टेड मान्युमेंट है, आलरेडी इसकी कम्प्रेहेंसिव स्कीम है उसमें बहुत बड़ा काम हुआ है। जो दूसरे आप कह रहीं हैं, वे स्टैपवैल हैं। स्टैपवैल का आलरेडी डिफरेंट कंसेप्ट है, टनल का कंसेप्ट उसमें नहीं होता है और स्टैपवेल सारे गुजरात में इम्प्रूव हो रहे हैं। मोढेरा मैं खुद होकर आया हूं। स्टैपवैल, पाटन में है, मैं खुद होकर आया हूं। अब जगह पर इम्प्रूवमेंट हो रही है और

उसमें काफी पैसा सैंक्शन किया है और इसके एनवायरमैंट में काफी इम्प्रूवमेंट है। There has been improvement not only in the monument but also all around it.

प्रो॰ अलका क्षत्रिय: पाटन की सुरंग और बडेरा की सुरंग खोलने के बारे में बारे आप क्या सोच रहे हैं

श्री जगमोहन: वह तो आलरेडी खुली हुई है।

प्रो॰ अलका क्षत्रिय: खुली नहीं है।

श्री जगमोहन: वह खुली है।

DR. ALLADI P RAJKUMAR: Madam, I must compliment Mr. Sankaraliangam for raising this issue; otherwise, most of the Members would not know that in Hyderabad, from Charminar to Golkonda Fort, there is a tunel. It is one of the oldest tunnels existing in India. The Chief Minister of Andhra Pradesh has been executing a tourism project on a war-footing. Today, Charminar and Golkonda Fort have been converted into beautiful sights with a beautiful lighting system. A lot of tourists are visiting to see them. Since the State Government has come forward to improve the tunnel, I would like to know whether there is any plan with the Central Government to provide assistance to the State Government for this.

SHRI JAGMOHAN: When the project comes to us, we would certainly consider that.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Question No. 185.

रुपये की पूर्ण परिवर्तनीयता

*185. श्री गुलाम नबी आजाद:
श्री पी॰ के॰ माहेश्वरी:#

क्या वित्त और कम्पनी कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने रुपये को अन्तत: पूर्ण परिवर्तनीय बनाने और म्यूच्युअल फंड तथा व्यक्तियों द्वारा विदेशों में निवेश संबंधी नियंत्रण को सरल बनाने के निमित्त कोई कदम उठाए हैं; और

#सभा में यह प्रश्न श्री पी. के. माहेश्वरी द्वारा पूछा गया।